impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 13-Dec-2008 | Edition : Delhi | Page No.: 6 | Page Name: Delhi | Size: 175.31 sq. cm

Sector: Others | Circulation: 157664 | AVE: Rs.27699.53 | Frequency: Daily

Publication: Amar Ujala | Title: Winter magic rose

अमर उजाला

धीरे-धीरे रंग दिखाने लगी सर्दी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। पूस का महीना शुरू हो गया लेकिन ठंड नदारद। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में जहां एक तरफ अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी वहीं न्यूनतम तापमान में भी गिरावट का दौर शुरू होगा। इससे आने वाले दिनों में ठंड बढ़ सकती है। शुक्रवार को बीते पांच सालों सर्वाधिक न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की सक्रियता के चलते दिल्ली और एनसीआर में तापमान में बढ़ोतरी बनी हुई थी और न्यूनतम तापमान भी अधिक नहीं गिर रहा था। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अब यह सिस्टम जम्मू कश्मीर को पार कर गया है। इसका प्रभाव यह होगा कि आसमान साफ रहेगा और न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर शुरू होगा। शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री नीचे 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को तापमान में नमी की अधिकतम मात्रा 84 प्रतिशत रही और न्यूनतम स्तर पर 42 प्रतिशत दर्ज की गई। वेस्टर्न वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की विदाई होने के साथ ही अब मौसम वैज्ञानिक शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस होने का अनुमान लगा रहे हैं।

12 दिसंबर को दर्ज तापमान

वर्ष	अधिकतम	न्यूनतम
2007	21	8
2006	23	9
2005	23	3
2004	25	10
2003	26	13

टाइफाइड-पिलिया के रोगी बढ़े

नई दिल्ली। दिसंबर के महीने में भी तापमाम कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यह तापमान बैक्टीरिया और वायरस को पनपने और जिंदा रखने के लिए काफी अनुकूल साबित हो रहा है। यही वजह है कि काफी संख्या में लोग इस मौसम में भी टाइफाइड और पीलिया जैसी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। चिकित्सकों की मानें तो इस तरह का मौसम स्वास्थ्य के लिए काफी नुकसानदायक होता है।

अधिकतम और न्यूनतम तापमान होने पर बैक्टीरिया एवं वायरस स्वतः मर जाते हैं। इसका परिणाम यह है कि नाक बहने, खांसने के मामले आम हो गए हैं। मैक्स हॉस्पीटल के डॉ. संदीप बुद्धिराजा का कहना है कि वायरल के मामले आना कोई नई बात नहीं है।लेकिन गंभीर बात यह है कि दिसंबर माह में टायफाइड व पीलिया के मामले सामने आ रहे हैं।

© Amar Ujala